समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीकॉन)

सत्रीय कार्य : 2025–2026

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001 : समाज कार्य का उद्गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–012 : जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–013 : परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–014 : परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
एम.एस.डब्ल्यू.–015: परामर्श के मूल तत्व
एम.एस.डब्ल्यू.–016: परामर्श के क्षेत्र

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई,2025 सत्र – 31 मार्च,2026
जनवरी,2026 सत्र – 30 सितम्बर,2026

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीकॉन) कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।(पीजीडीकॉन)कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के (पीजीडीकॉन) अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं।**सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए**। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) यू.के. और यू.एस.ए. में समाज कार्य के इतिहास पर संक्षेप में चर्चा करें। 20

अथवा

विभिन्न परिस्थितियों में सामाजिक वैयक्तिक कार्य के अनुप्रयोगों को उपयुक्त उदाहरण के साथ स्पष्ट करें। 20

2) सामाजिक समूह कार्य के दायरे और अनुप्रयोग पर एक नोट लिखें। 20

अथवा

सामान्यवादी प्रणाली सिद्धांत और पारिस्थितिकी तंत्र सिद्धांत की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से समाज कार्य के दायरे और महत्व का संक्षेप में उल्लेख करें। 10

ख) सामाजिक न्याय और सामाजिक नीति की अवधारणा प्रस्तुत करें। 10

ग) व्यवहार में समाज कार्य अनुसंधान के योगदान पर चर्चा करें। 10

घ) अध्ययन और प्रक्रिया के क्षेत्र के रूप में सामाजिक प्रशासन पर एक संक्षिप्त नोट लिखें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) NASW आचार संहिता का उल्लेख करें। 5

ख) समाज कार्य के उद्देश्य क्या हैं? 5

ग) सामुदायिक कार्य के महत्व पर चर्चा करें। 5

घ) सामाजिक क्रिया के आवश्यक घटक क्या हैं? 5

ङ) सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिकाओं पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

च) भारत में सामान्यवादी अभ्यास की प्रासंगिकता का संक्षेप में उल्लेख करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) स्वैच्छिक कार्रवाई 4

ख) नैतिक विकास 4

ग) समाज सुधार 4

घ) सामुदायिक संगठन 4

ङ) मुक्त और दूरस्थ शिक्षा 4

च) समाज कल्याण 4

छ) मूल्य 4

ज) दान संगठन समाज 4